PC-10686/NH

B-2110

हिन्दी साहित्य

Semester – III

(Syllabus Dec., 2019)

Time : 3 Hours] [Max. Marks : 75

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग - क

यह भाग दो उपभागों में विभाजित हैं

उपभाग-I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

I. रीतिकाल के नामकरण पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

II. गुरु गोविन्द सिंह के काव्य की विशेषताएं लिखें। (9)

उपभाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

III. हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

IV. हिन्दी भाषा के मानकीकरण पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें। (8)

भाग - ख

यह भाग दो उपभागों में विभाजित हैं

उपभाग-I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

V. 'रसखान' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखें।

VI. 'घनानन्द' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालें। (9)

VII. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) कनकु कनक तैं सौगुनो मादकता अधिकाइ।
उहिं खाएं बौराई, इहिं पाएं हीं बौराइ।।

(ख) काल हीन कला संजुगति अकाल पुरुख अदेस।।
धारम धाम सु भरम रहित अभूल अलख्ख अभेस।।
अंग राग न रंग जा कहि जाति पाति न नाम।।
गरब गंजन दुसट भंजन मुकति दाइक काम।। (5)

उपभाग-II

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए रू

(क) 'ग्राम' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

(ख) 'पुरस्कार' कहानी का सार लिखें। (9)

IX. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए?

(क) निर्जन समुद्र के उपकूल में वेला से टकरा कर लहरें बिखर जाती थीं। पश्चिम का पथिक थक गया था। उसका मुख पीला पड़ गया। अपनी शांत गंभीर हलचल में जलनिधि विचार में निमग्न था।

(ख) सृष्टि को आरंभ हुए कितना समय बीत गया, किंतु इन अभागों को कोई पहाड़ की तलहटी या नदी की घाटी बसाने के लिए प्रस्तुत न हुई और न इन्हें कहीं घर बनाने की सुविधा ही मिली। (5)

भाग-ग

X. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(क) रीतिकाल की कोई **दो** प्रवृत्तियाँ लिखें।

(ख) रीतिकाल को श्रृंगार काल किसने और क्यों कहा?

(ग) घनानंद का व्यक्तित्व स्पष्ट करें।

(घ) भूषण के काव्य की **दो** विशेषताएं बताएं।

(ङ) सम्पर्क भाषा किसे कहते हैं?

(च) राजभाषा और राष्ट्रभाषा का अंतर स्पष्ट करें।

(छ) बिहारी का कृतित्व स्पष्ट करें।

(ज) गुरु गोविन्द सिंह की रचनाओं के नाम लिखें।

(झ) 'मधुवा' कहानी का मूल भाव स्पष्ट करें।

(ञ) हिन्दी भाषा के शब्द भण्डार का परिचय दें।

(ट) 'रसखान' की रचनाओं का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

(ठ) घनानंद की भक्ति की प्रमुख विशेषता बताएं।

(ड) 'आकाशदीप' कहानी का केन्द्रीय भाव लिखें।

(ण) 'पुरुस्कार' कहानी के पात्रों के नाम लिखें।

(त) 'ग्राम' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें। (15×2=30)